16 MAY 2018

शहर के गली-मोहल्लों और प्रमुख चौराहों पर कुत्तों का कब्जा, फिर भी नहीं चेत रहे हैं जिम्मेदार अफसर

65 हजार खतरनाक कुत्तों से बचकर रहें

हिन्दुस्तान पड़ताल

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

शहर में कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। सीतापुर में हुई घटनाओं के बावजूद प्रशासन चेत नहीं रहा है। नगर निगम के आंकड़ों के मुताबिक शहर में करीब 65 हजार आवारा कुत्ते घूम रहे हैं। गली और चौराहों पर इनका पूरी तरह से कब्जा है। राहगीरों को भौंकते हुए दौड़ाना, मौका पाते ही काट लेना रोज की घटाना हो चुकी है। इनपर नियंत्रण पाने में नगर निगम पूरी तरह असफल हो रहा है। दिखावे के लिए कभी बधियाकरण तो कभी टीकारण का अभियान चलता है। कुत्तों का आतंक कुछ कम होते ही अभियान ठंडे बस्ते में चला जाता है।

300 कुत्तों का हो रहा बधियाकरण

नगर निगम का दावा है कि हर माह 300 कुत्तों का बधियाकरण किया जा रहा है। बधिया करने के साथ उनको एंटी रैबीज की वैक्सीन भी लगाई जा रही है। हर वर्ष 3600 कुत्तों के बधियाकरण के बावजूद इनकी संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। प्रति कुत्ते के बधियाकरण के नाम पर 1200 रुपये खर्च का दिखावा भी हो रहा। हालांकि इस मद में नगर निगम का कोई बजट नहीं है। कान्हा उपवन की देखभाल के लिए मिल रही धनराशि से इस इस मद के व्ययभार का भुगतान हो रहा है।

59

हजार कुत्ते थे पांच साल पहले शहर में, लगातार बढ़ रही संख्या

3600

कुत्तों का हर साल होता है बधियाकरण, 1200 रुपये एक पर आता है खर्च

पुराना लखनऊ त्रस्त

सरकारी अस्पतालों के रिकॉर्ड के मुताबिक पुराने लखनऊ में चौक, बालागंज, खदरा, हुसैनाबाद, सआदतगंज, नक्कखास, चौपटिया, पुरनिया, डालीगंज आदि इलाकों में कुत्तों का सबसे ज्यादा आतंक है।

शहर की सड़कों पर आवारा कुत्तों के झुंड रोजाना रहगीरों पर हमला कर रहे हैं। ● फोटो-सुनील रैदास

कुत्तों में आक्रामकता व प्रजनन शक्ति समाप्त हो जाती है

- पशु क्रूरता अधिनियम में कुत्तों के मारने पर रोक के बाद बधियाकरण का फैसला किया गया है।
- इससे कुत्तों में आक्रामकता कम होने के साथ उनमें प्रजनन क्षमता भी समाप्त हो जाती है।
- बधियाकरण अभियान वर्ष 2013 से शुरू किया गया। नगर निगम के मुताबिक अब तक 20 हजार कुत्तों को बधिया किया जा चुका है।
- कान्हा उपवन में डाक्टरों की टीम बधिया करने के चार दिन बाद कुत्तों को उसी क्षेत्र में छोड़ देती है।

जरहरा में बन रहा बड़ा केन्द्र

सीतापुर में कुत्तों का शिकार हुए बच्चों के बाद प्रदेश सरकार गंभीर हुई है। कुत्तों के बधियाकरण के लिए बड़े स्तर पर अभियान चलाने का फैसला किया है। शासन ने इंदिरानगर के जरहरा में बन रहे पशु चिकित्सा केन्द्र को जल्द चालू करने व वहां कुत्तों के बधियाकरण के लिए टेंडर आमंत्रित करने का आदेश दिया है। इस अस्पताल में हर माह 1500 से ज्यादा कुत्तों का बधिया किया जा सकता है। शासन से आदेश मिलते नगर निगम सक्रिय हो गया है। अस्पताल के शुरू होने पर लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

जल्द अभियान शुरू होगा

अवारा कुत्तों पर निगरानी रखी जा रही है। नगर निगम की टीम हर माह लगभग 300 कुत्तों को पकड़कर बधिया कर रही है और वैक्सीन भी लगाई जा रही है। जल्द ही 1000 कुत्तों का हर माह बधिया करने का अभियान शुरू किया जाएगा।
अनिल मिश्र,
अपर नगर आयुक्त नगर निगम

कुत्तों के आतंक से लोगों को बचाने के लिए नगर निगम की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसे बड़े स्तर पर करने के लिए प्लान किया गया है। अधिकारियों को इस संबंध में वृहद कार्ययोजना तैयार करने के लिए कहा गया है।
संयुक्ता भाटिया, महापौर